साप्ताहिक

बुलंद गोंदिया

खबरों का आईना

प्रधान संपादक : **अभिषेक चौहान** | संपादक : **नवीन अग्रवाल**

E-mail : **bulandgondia@gmail.com** | E-paper : **bulandgondia.net** | Office Contact No.: **7670079009** | **RNI NO. MAH-HIN-2020/84319**

वर्ष : 6 | अंक : 33 गोंदिया : गुरुवार, दि. 26 मार्च से 1 अप्रैल 2026 ■ पृष्ठ : 4 ■ मूल्य : रु. 5

महाराजस्व अभियान से सुशासन का नया दौर -राजस्व मंत्री चंद्रशेखर बावनकुले

बुलंद गोंदिया। समाज के हर नागरिक को सरकारी सेवा बिना देरी और पारदर्शकतरीके से मिलें। छत्रपति शिवाजी महाराज महाराजस्व अभियान सिर्फ एक सरकारी काम नहीं है, बल्कि सुशासन का एक नया दौर है जो आम आदमी की ज़िंदगी में बदलाव लाएगा, यह कथन राज्य के राजस्व मंत्री चंद्रशेखर बावनकुले ने कही।

बावनकुले यहां टी.बी. टोली ग्राउंड कुडवा में आयोजित तहसील स्तर के समाधान कैंप के उद्घाटन पर बोल रहे थे। इस मौके पर सांसद प्रफुल्ल पटेल, विधायक विनोद अग्रवाल, विजय रहांगडाले, संजय पुराम,जिलाधिकारी प्रजीत नायर,जि.प.के मुख्य कार्यकारी अधिकारी एम. मुरुगनांथम, उपवनसंरक्षक पवन कुमार जोंग, पूर्व विधायक राजेंद्र जैन, हेमंत पटले, भेर सिंह नागपुरे, नाना पंचबुद्धे मंच पर मौजूद थे।

बावनकुले ने आगे कहा, नागरिकों की संपत्ति की रक्षा करना राजस्व विभाग का कर्तव्य है। प्रशासन को गतिशील बनाने के लिए राजस्व विभाग पूरी ताकत से काम कर रहा है। छत्रपति शिवाजी महाराज महाराजस्व अभियान के तहत समाधान शिविर के माध्यम से आम नागरिकों का काम किया जा रहा है। सरकार और प्रशासन गतिशील रूप से काम कर रहे हैं। भूमि सर्वेक्षण कार्य के दायरे को ध्यान में रखते हुए, उन्होंने इस अवसर पर घोषणा की कि अगले तीन महीनों में गोंदिया में एक नया भूमि अभिलेख कार्यालय शुरू किया जाएगा।

अभी 500 फीट के प्लॉट वितरित किए जा रहे हैं, जिन्हें आने वाले दिनों में बढ़ाकर 1500 फीट किया जाएगा। भविष्य में गोंदिया शहर के नागरिकों के संपत्ति कार्ड तैयार किए जाएंगे। आपकी संपत्ति आपके मोबाइल पर दिखाई देगी, इसके लिए सरकारी स्तर पर एक योजना तैयार की जा रही है। झाड़ी और जंगल की जमीन को लेकर नागरिकों को परेशान न किया जाए, इसके लिए योजना बनाई जाएगी। किसानों को धान के लिए प्रोत्साहन राशि दिलाने के लिए सरकारी स्तर पर प्रक्रिया चल रही है। राजस्व मंत्री श्री. बावनकुले ने इस मौके पर कहा कि जिले के जिन रेत घाटों की नीलामी नहीं हुई है, उनकी नीलामी का भी फैसला लिया जाएगा।

सांसद प्रफुल्ल पटेल ने कहा, छत्रपति शिवाजी महाराज महास्व अभियान के ज़रिए आम नागरिकों के काम हल हो रहे हैं। इस समाधान कैंप के ज़रिए सरकार की योजनाएं सीधे नागरिकों तक पहुंच रही हैं। गोंदिया और भंडारा धान उगाने वाले जिले हैं और पूर्वी विदर्भ का बेस हैं। इसलिए, उन्होंने उम्मीद जताई कि सरकार जिले के किसानों को इंसेंटिव दे। इस मौके पर विनोद अग्रवाल, विनोद रहांगडाले, संजय पुराम ने भी अपने विचार रखे।

इस मौके पर मंत्री चंद्रशेखर बावनकुले ने खास अंदाज में %सर्व मानव घर% के तहत 20 बेनिफिशियरी को ज़मीन के प्लॉट बांटे, 5 ब्रास फ्री सैंड पास बांटे, भोगवतदार क्लास 2 का क्लास 1 सर्टिफिकेट बांटा, एग्रीकल्चरल मैकेनाइजेशन स्कीम के तहत डिजिटल 7/12 सर्टिफिकेट और ट्रैक्टर से जुड़े खेती के औजार बांटे, और बेनिफिशियरी को 1 लाख 25 हजार रुपये की सब्सिडी के तौर पर फायदे दिए गए। इस मौके पर अलग-अलग स्कीम के 50 स्टॉल लगाए गए थे। इसी हॉल से एलिजिबल बेनिफिशियरी को सर्टिफिकेट बांटे गए।

जिलाधिकारी प्रजीत नायर ने प्रास्ताविक दी। सभी के लिए घर के तहत 4190 प्लॉट बांटे गए। समाधान कैंप में 654 बदलावों का निपटारा किया गया। उन्होंने बताया कि जिले में अब तक समाधान कैंप के जरिए 13 हजार 912 एलिजिबल बेनिफिशियरी को अलग-अलग स्कीम का फायदा दिया जा चुका है।

कार्यक्रम में निवासी उपजिल्हाधिकारी भैय्यासाहेब बेहेरे, उपजिल्हाधिकारी (सामान्य) मानसी पाटील, सभी उपविभागीय अधिकारी व तहसिलदार तथा सभी जिला परिषद, पंचायत समिती व नगर परिषद पदाधिकारी व नागरिक बड़ी संख्या में उपस्थित थे

जिले में ग्राम पंचायत उपचुनाव का कार्यक्रम घोषित

बुलंद गोंदिया। राज्य चुनाव आयोग ने राज्य में ग्राम पंचायत के सदस्यों/ सरपंच की मौत, इस्तीफे, अयोग्यता या दूसरे कारणों से खाली सीटों पर उपचुनाव के लिए पारंपरिक तरीके से लागू होने वाले चुनाव प्रोग्राम की घोषणा की है। इसके अनुसार गोंदिया जिले के आठ तहसीलों में कुल 69 ग्राम पंचायतों के उपचुनाव के लिए चुनाव प्रोग्राम लागू किया जाएगा। जिन ग्राम पंचायतों में ग्राम पंचायत उपचुनाव होंगे, वहां 17 मार्च 2026 से चुनाव के नतीजे घोषित होने तक आदर्श आचार संहिता लागू रहेगी। तहसीलदार द्वारा चुनाव नोटिस जारी करने की तारीख 30 मार्च 2026 है। नॉमिनेशन पेपर मंगाने और जमा करने की तारीख 7 अप्रैल 2026 से 13 अप्रैल 2026 (शनिवार और रविवार को छोड़कर) है, समय सुबह 11 बजे से दोपहर 3 बजे तक है। नॉमिनेशन पेपर्स की स्क्रूटनी की तारीख 15 अप्रैल 2026 सुबह 11 बजे से स्क्रूटनी खत्म होने तक है। नॉमिनेशन पेपर्स वापस लेने की आखिरी तारीख 17 अप्रैल 2026 दोपहर 3 बजे तक है। चुनाव सिंबल अलॉट करने और चुनाव लड़ने वाले कैंडिडेट्स की फाइनल लिस्ट पब्लिश करने की तारीख 17 अप्रैल 2026 दोपहर 3 बजे के बाद है। पोलिंग की तारीख 28 अप्रैल 2026 सुबह 7.30 बजे से शाम 5.30 बजे तक है (नक्सल प्रभावित और दूरदराज के इलाकों जैसे गढ़चिरौली और गोंदिया जिलों के लिए सुबह 7.30 बजे से दोपहर 3 बजे तक)। वोटों की गिनती और नतीजों की घोषणा की तारीख 29 अप्रैल 2026 है (गिनती की जगह और समय डिस्ट्रिक्ट कलेक्टर की मंजूरी से तहसीलदार तय करेंगे)। डिस्ट्रिक्ट कलेक्टर ऑफिस के जरिए चुनाव नतीजों का नोटिफिकेशन पब्लिश करने की आखिरी तारीख 6 मई 2026 है।उप जिलाधिकारी (जनरल) मानसी पाटिल ने यह जानकारी दी है।

आदिवासी कैंडिडेट्स के लिए स्पर्धा परीक्षा माहिती व मार्गदर्शन प्रशिक्षण

बुलंद गोंदिया। स्किल डेवलपमेंट, एम्प्लॉयमेंट और एंटरप्रेन्योरशिप, इन्फॉर्मेशन और गाइडेंस सेंटर, देवरी ऑफिस के आदिवासी कैंडिडेट्स के लिए साल 2026-27 के लिए कॉम्पिटिटिव एग्जामिनेशन इन्फॉर्मेशन और गाइडेंस का पहला सेशन 1 अप्रैल से 15 जुलाई, 2026 तक होगा। इसके लिए, आदिवासी जनजाति (शेड्यूल्ड ट्राइब कैटेगरी) के कैंडिडेट्स को एजुकेशनल क्वालिफिकेशन सर्टिफिकेट, स्कूल लीविंग सर्टिफिकेट और कास्ट सर्टिफिकेट की फोटोकॉपी के साथ ऑफिस में एप्लीकेशन जमा करनी होगी। स्कीम का नेचर और कैंडिडेट्स के एलिजिबिलिटी क्राइटेरिया इस तरह हैं।

ट्रेनीज़ की एजुकेशनल और दूसरी क्वालिफिकेशन- इस ट्रेनिंग के लिए कैंडिडेट कम से कम 10th पास होना चाहिए। हायर एजुकेशनल क्वालिफिकेशन वाले और टाइपिस्ट/कंप्यूटर/स्टेनोग्राफर एग्जाम पास करने वाले कैंडिडेट्स को प्रिफरेंस दी जाएगी। कैंडिडेट आदिवासी जनजाति (शेड्यूल्ड ट्राइब) कैटेगरी का होना चाहिए। इसके लिए पुरुष और महिला दोनों एलिजिबल हैं। कैंडिडेट की उम्र कम से कम 18 साल होनी चाहिए। कैंडिडेट गोंदिया और भंडारा में से किसी एक जिले का रहने वाला होना चाहिए। कैंडिडेट ने पहले यह ट्रेनिंग नहीं ली हो। कैंडिडेट के पास एम्प्लॉयमेंट और सेल्फ-एम्प्लॉयमेंट ऑफिस का ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन कार्ड होना चाहिए। किसी नेशनलाइज्ड बैंक में सेविंग्स अकाउंट और आधार कार्ड के साथ पासबुक के पहले पेज की फोटोकॉपी जमा करनी होगी।

ट्रेनिंग का समय तीन महीने और पंद्रह दिन का होगा, यानी 1 अप्रैल से 15 जुलाई, 2026 तक। ट्रेनिंग के लिए चुने गए ट्रेनी को हर महीने 1 हजार रुपये स्टाइपेंड दिया जाएगा। यह जानकारी स्किल डेवलपमेंट, एम्प्लॉयमेंट और एंटरप्रेन्योरशिप गाइडेंस ऑफिसर देवरी वी.एम. पांडव ने दी है।

मोतियाबिंद-मुक्त महाराष्ट्र के लिए सबका योगदान ज़रूरी-मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस

बुलंद गोंदिया।(मुंबई/गोंदिया)- महाराष्ट्र को मोतियाबिंद-मुक्त बनाने के लिए समाज के सभी वर्गों का योगदान ज़रूरी है। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि अगर सब अपनी ज़िम्मेदारी निभाएं, तो मोतियाबिंद-मुक्त महाराष्ट्र बनाना आसान होगा। आर. झुनझुनवाला शंकरा आई हॉस्पिटल, पनवेल, और शंकरा आई फाउंडेशन इंडिया, जिन्होंने आंखों के स्वास्थ्य के क्षेत्र में कीमती काम करके समाज सेवा का एक आदर्श बनाया है, लगातार मरीज़ों की सेवा के लिए काम कर रहे हैं। लेटेस्ट टेक्नोलॉजी, अनुभवी डॉक्टरों की टीम और समाज-केंद्रित गतिविधियों के ज़रिए, इन संस्थाओं ने हज़ारों मरीज़ों को रोशनी दी है और उनके जीवन में रोशनी लाई है। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने मोतियाबिंद मुक्त महाराष्ट्र अभियान में अहम भूमिका निभाने पर गर्व महसूस किया।

मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि शंकरा आई हॉस्पिटल और शंकरा आई फाउंडेशन इंडिया का काम पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप, सामाजिक संवेदनशीलता और अच्छी हेल्थकेयर का एक आदर्श उदाहरण है। शंकरा आई फाउंडेशन इंडिया एक ऐसा संगठन है जो देश भर के अलग-अलग अस्पतालों में हेल्थकेयर पहल को लागू कर रहा है, जिसका मकसद आम आदमी को आंखों की देखभाल आसानी से मिल सके। इसी के तहत, पनवेल में आर. झुनझुनवाला शंकरा आई हॉस्पिटल अपनी स्टेट-ऑफ-द-आर्ट सुविधाओं, हाई-क्वालिटी इलाज के तरीकों और मरीज़ों पर केंद्रित सेवाओं के लिए जाना जाता है। यह अस्पताल मोतियाबिंद, रेटिना, ग्लूकोमा, कॉर्निया, बच्चों की आंखों की बीमारी और आंखों की दूसरी बीमारियों का स्टेट-ऑफ-द-आर्ट इलाज देता है। यह आर्थिक रूप से कमजोर मरीज़ों को रियायती दर पर या मुफ्त में इलाज की सुविधा भी देता है। यह संगठन लगातार ग्रामीण और दूर-दराज के इलाकों में आंखों के चेक-अप कैंप लगाने और जरूरतमंद मरीज़ों को इलाज के लिए अस्पताल लाने का भी काम कर रहा है। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि इस तरह की पहल 'मोतियाबिंद मुक्त महाराष्ट्र' के कॉन्सेप्ट को मजबूत कर रही हैं। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने आगे कहा कि जून 2021 से नवंबर 2021 तक, कोंकण, मुंबई, मराठवाड़ा, खानदेश में अस्पताल के ज़रिए 1,428 फ्री आई चेक-अप कैंप लगाए गए और 2,38,604 मरीज़ों की जांच की गई और 43,435 सर्जरी सफलतापूर्वक की गईं। इनमें से लगभग 80 प्रतिशत मरीज़ों का फ्री इलाज और सर्जरी की गई, जो सामाजिक कमिटमेंट का एक अच्छा उदाहरण है। इसके अलावा, महात्मा ज्योतिराव फुले जन आरोग्य योजना के तहत गंभीर आंखों की बीमारियों (रेटिना, कॉर्निया, पीडियाट्रिक स्क्विंट और पीडियाट्रिक मोतियाबिंद) से पीड़ित 753 मरीज़ों को फ़ायदा दिया गया। साथ ही, स्कूली बच्चों की आंखों की सेहत के लिए लागू किए गए 'रेनबो क्ष आई हेल्थ प्रोजेक्ट' के तहत, रायगढ़, नवी मुंबई और स्लम इलाकों के 228 स्कूलों के 1,38,603 स्टूडेंट्स की जांच की गई। इसमें 3,650 चश्मे मुफ्त बांटे गए और 29 बच्चों की आंखों की सर्जरी पूरी तरह मुफ्त की गई।

मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने आर. झुनझुनवाला शंकरा आई हॉस्पिटल की चेयरपर्सन रेखा झुनझुनवाला और शंकरा आई फाउंडेशन इंडिया के फाउंडर और ट्रस्टी डॉ. आर. वी. रमानी को इस शानदार काम के लिए बधाई दी है।

पेट्रोल डिजल पंपो पर उमड़ी भारी भीड़ सोशल मीडिया पर पेट्रोल खत्म होने की चल रही अफवाह

बुलंद गोंदिया। सोशल मीडिया के कुछ ग्रुप में पेट्रोल खत्म होने की अफवाह के चलते पेट्रोल डीजल पंपों पर भारी भीड़ उम्र उमड़ पड़ी है जिससे पेट्रोल भरवाने वाले वाहन चालकों की लंबी-लंबी कतारे लग गई है। गौरतलब है की मध्य पूर्व एशिया (खाड़ी देशों) में चल रहे युद्ध के कारण पेट्रोलियम पदार्थ व गैस की आपूर्ति कुछ हद तक बाधित हुई है जिसमें मुख्य रूप से कुकिंग गैस का समावेश है, लेकिन अब तक पेट्रोलियम पदार्थ पेट्रोल व डीजल में इसका असर नहीं दिखाई दिया था लेकिन 24 मार्च को कुछ सोशल मीडिया के ग्रुप में पेट्रोल नहीं मिलने वह खत्म होने की अफवाह के चलते दोपहर के बाद पेट्रोल पंपों पर वाहन चालकों की लंबी-लंबी कतारे लग गई है। जिससे बड़े पैमाने पर पेट्रोल भरवाने केलिए लोग पेट्रोल पंप की ओर दौड़ पड़े हैं। पेट्रोलियम कंपनियों ने शुरू किया एडवांस भुगतान खाड़ी युद्ध के पूर्व पेट्रोलियम कंपनी पेट्रोल पंप मालको को कुछ समय की उधारी देते थे जिससे वह निरंतर अपना कार्य कर रहे थे लेकिन खाड़ी युद्ध के चलते पेट्रोलियम कंपनियों द्वारा नगद भुगतान व एडवांस भुगतान शुरू करने के कारण कुछ पेट्रोल पंप मालक भुगतान नहीं कर पाए जिसके चलते उनके पंप में पेट्रोल खत्म हो गया किंतु उनके द्वारा भुगतान किए जाने पर पेट्रोल मिलने पर स्थित सुचारू रूप से शुरू हो रही है। अफवाह से बचे पेट्रोल व डीजल को लेकर कुछ लोगों द्वारा अफवाह है फैलाई जा रही है हालांकि वर्तमान स्थिति में पेट्रोल व डीजल की कमी नहीं है लेकिन खाड़ी युद्ध के चलते अफवाह को जोर मिलने के कारण लोग अफवाह को सच मानकर पेट्रोल पंप पर भारी भीड़ लग रहे हैं। ?100 का पेट्रोल भरवाने वाला भी ?500 का पेट्रोल भरवा रहा है जिससे पेट्रोल खत्म होने व नहीं मिलने का संकट निर्माण हो रहा है।

जिले में 250 के करीब पेट्रोल पंप गोंदिया जिले में पांच कंपनियों के 250 के करीब पेट्रोल पंप है जिसमें गोंदिया शहर वह आसपास में लगभग 20 पेट्रोल पंप है इन पेट्रोल पंप में मुख्य रूप से इंडियन ऑयल, हिंदुस्तान पैट्रोलियम, रिलायंस, नायरा एनर्जी लिमिटेड, भारत पेट्रोलियम कंपनियों का समावेश है।

युद्ध बढ़ने पर कमी हो सकती है

आगामी कुछ दिनों में यदि खाड़ी में युद्ध लंबा चलता है तो कुछ हद तक पेट्रोल व डीजल की कमी हो सकती है किंतु यदि इस मामले में अफवाह पर अधिक ध्यान न देकर नियमित रूप से कार्य किया जाए तो इस समस्या से भी का भी सामना किया जा सकता है। जिले में ईंधन की कमी नहीं अफवाह से बचें गोंदिया जिले में पेट्रोल, डीजल वह सीएनजी वह एलपीजी गैस की कमी नहीं है जिसका भरपूर स्टॉक है तथा जिला प्रशासन तेल कंपनियों से जिले में ईंधन की आपूर्ति सुचारू रखने के लिए समन्वय बना रखा है।

नागरिक किसी भी प्रकार की अफवाह पर विश्वास ना करें जिले में पेट्रोल डीजल की कीमतें पूर्ववत है साथ ही व्यावसायिक गैस सिलेंडर की भी आपूर्ति जल्द ही सुचारु की जाएगी अफवाह फैलाने वालों पर एस्मा कानून के तहत कार्रवाई होगी

- प्रजीत नायर जिलाधिकारी गोंदिया

विधायक बडोले ने मुस्लिम भाइयों के साथ मनाई ईद

सड़क अर्जुनी-रमजान ईद के अवसर पर विधायक राजकुमार बडोले खुद अपने क्षेत्र के मुस्लिम भाइयों से मिलने गए और उन्हें दिल से बधाई दी. सिर्फ औपचारिक बधाई तक ही सीमित नहीं, बल्कि वे खुद भी उपस्थित रहे और त्योहार की खुशियां बांटीं. उन्होंने सभी से अपनेपन से बात की और भाईचारे, एकता और मेलजोल का संदेश दिया. उन्होंने कहा कि हमारी संस्कृति की असली पहचान सभी धर्मों और समुदायों के साथ मिलकर त्योहार मनाना है. उल्लेखनीय है कि बडोले ने मुस्लिम समुदाय के पारंपरिक शीर खुरमा का मजा लिया और खुशी में शामिल हुए. उन्होंने वहां उपस्थित सभी लोगों को प्यार से गले लगाकर शुभकामनाएं दीं. इस अवसर पर गोरेगांव पंस सभापति चित्रलेखा चौधरी, सड़क अर्जुनी पंस सभापति चेतन वडगाये, पूर्व सभापति मनोज बोपचे, उपसभापति रामेश्वर मारवाडे, पूर्व उपसभापति शालिंदर कापगते, भाजपा महामंत्री प्रशांत शहारे, युवा मोर्चा तहसील अध्यक्ष ललित डोंगरवार, पराग कापगते, संजय खरवडे आदि उपस्थित थे.

विदर्भ हिंद केसरी बैलगाड़ी प्रतियोगिता के विजेताओं को राजेंद्र जैन ने पुरस्कार वितरित किये

बुलंद गोंदिया। गोंदिया तहसील के दांडेगांव, एकोड़ी और सहेसपुर और आस-पास के परिसर में 20 से 22 मार्च तक हुई तीन दिन की विदर्भ हिंद केसरी बैलगाड़ी रेस बैल शंकर पट् के इनाम बांटने के साथ खत्म हुई। इस रेस की अध्यक्षता पूर्व विधायक राजेंद्र जैन ने की और मुख्य अतिथि विधायक विजय रहांगडाले मौजूद थे। पूर्व विधायक राजेंद्र जैन ने इनाम बांटने के कार्यक्रम में जीतने वाले कंटेस्टेंट को इनाम बांटे। इस मौके पर उन्होंने गांव के किसानों द्वारा सालों से अपनाई जा रही परंपरा के महत्व पर रोशनी डाली और कहा कि ऐसे कॉम्पिटिशन गांवों में एकता और कल्चरल परंपराओं को बनाए रखने में मदद करते हैं। इस कॉम्पिटिशन के विजेताओं और इंसेंटिव अवॉर्ड में पहला इनाम पाने वाले को एक हीरो होंडा बाइक और 10 लाख रुपये तक के दूसरे इनाम दिए गए। इस मौके पर राजेंद्र जैन, विजय रहांगडाले, पिंटू रहांगडाले, राजू एन जैन, रविकुमार पटले, सुरेश पटले, अजाबराव रिनाईत, गोविंद लिचड़े, पंकज अंबुले, हितेश पटेह, महेंद्र बघेल के साथ इलाके के बड़ी संख्या में नागरिक इनाम बांटने के कार्यक्रम में शामिल हुए। इस मौके पर ऑर्गनाइज़र ने सभी पार्टिसिपेंट्स और आए हुए लोगों को धन्यवाद दिया।

संपादकिय...

व्यवस्था का बिगड़ा पहर

बड़े ढांचे के बड़े इम्तिहान, अब इत्मीनान से देने पड़ेंगे। विधानसभा के बजट सत्र में विधायक प्रकाश राणा ने इमारतों की बेकद्री का हिसाब लगाते हुए जो कहा है, उसे सुनना होगा। उन्होंने जिक्र किया कि किस तरह आती-जाती सरकारों की पाजेब पहन कर सरकारी धन को बेकार किया जाता है। इमारतें सत्ता की निशानियां नहीं, राज्य की मिलकीयत में इजाफा होना चाहिएं, लेकिन होता यही है कि बदलती सरकारें, राज्य की प्राथमिकताओं में पिछली परियोजनाओं और भवनों के निर्माण की कार्रवाई रोक देती हैं। कुछ इसी तरह की खोज खबर सत्ता और विपक्ष के बीच भी हो रही है, जहां कहा यह जा रहा है कि पिछली सरकार ने फिजूलखर्ची में हजार के करीब भवन खड़े कर दिए। हमारी दीर्घकालीन योजनाएं आखिर हैं क्या और ढांचागत उपलब्धियों का मूल्यांकन होता कैसे। व्यवस्था के पहरे बिगड़ रहे हैं। पीढ़ियों में निराशा, फिर भी शिक्षा के दरबार खड़े किए जा रहे हैं। हमारे सदन की बहस में गुस्सा है, पक्ष-विपक्ष है, लेकिन प्रदेश की हकीकत पर ताज्जुब नहीं है। एक लाख करोड़ के ऋण के नीचे कितनी जमीन और ऊपर कितना आसमान बचा है, इस पर चर्चा न होकर सभी दल एक-दूसरे की कमीज फाड़ रहे हैं। कमीजें तो पुलिस व्यवस्था की भी लीर-लीर हो गईं, जब ड्रग तस्करी रोकने वाले चार पुलिस कर्मी इसी के सौदागर बन गए। एसटीएफ के चार पुलिस कर्मी पूरे महकमे की पड़ताल में धूल झोंक देते हैं और एलएसडी तस्करों के साथ हाथ मिला कर दुकान खोल लेते हैं। इस दुस्साहस की कई वजह हो सकती हैं या ड्रग्स के धंधे में कई सफेदपोश सक्रिय हैं। हम पूरे महकमे की कार्यप्रणाली पर संदेह नहीं कर सकते, लेकिन इस तरह के उदाहरणों से सबक लेने की गुजारिश कर सकते हैं। दूसरे यह भी कि हिमाचल का क्राइम सीन अति भयावह हो रहा है। संगठित अपराध की जद में अगर पुलिस कर्मी पहुंच कर पलने लगें, तो प्रदेश की तमाम हवाओं पर शक करना होगा। अपराध के नक्शे पर हिमाचल के सबूत अब ढर्रे को बदलने की अपील करते हैं। कम से कम बार्डर एरिया पर पुलिस के पहरे और सख्त तथा महकमे की सूरत को बदलने की जरूरत बढ़ चुकी है। पुलिस प्रणाली में व्यवस्थागत सुधारों को टाला नहीं जा सकता। नगर निगम क्षेत्रों के कम से कम जिला मुख्यालय स्तर पर पुलिस कमिश्नर प्रणाली लागू करनी होगी, जबकि पुलिस के अपराध व नशा निवारण जैसे सैलों के मुख्यालय बीबीएन में स्थापित होने चाहिएं। हिमाचल में सामाजिक व नागरिक व्यवहार में आते दबाव के कारण, पुलिस के सामने नई चुनौतियां पेश हो रही हैं, जबकि साइबर क्राइम भी जड़ें फैला रहा है। ऐसे में उस रिटायर्ड अधिकारी को साइबर अरेस्ट से कौन बचाएगा, जो अपनी बचत का निवेश करते हुए लालच में फंस जाता है। उन छात्रों के जीवन को कौन सुरक्षित करेगा, जो शिक्षा की परिपाटी में अपना आत्मबल और नैतिक साहस खो रहे हैं। पालमपुर के कालेज में एक छात्रा ने अपने ही क्लास रूम की आंखों के सामने खुदकुशी कर ली, तो प्रश्नों के सारे उत्तर पुलिस तफतीश नहीं कर सकती। वहां शिक्षा का परिसर, पाठ्यक्रम का सिलसिला, जीवन की उमंगों का सफर तथा परिवेश की सीमाओं का उल्लंघन दिखाई देता है। हिमाचल को अब अपने तौर तरीकों में समाती आफत से डरना होगा। जीवन की प्रतिस्पर्धा में आपाधापी की घुसपैठ से डरना होगा।

बदलता मौसम जीवसृष्टी के लिए बेहद खतरनाक -(विश्व मौसम विज्ञान दिवस विशेष 23 मार्च 2026)

पूरी दुनिया आज ग्लोबल वार्मिंग से त्रस्त है, क्योंकि इसका बुरा असर पर्यावरण के प्रत्येक घटक पर हो रहा है और मानवीय जीवन बेहद प्रभावित हुआ है, जबकि इस भयावह परिस्थिति का जिम्मेदार मनुष्य स्वयं हैं। मनुष्य ने अपने लालच, स्वार्थ और गैरजिम्मेदाराना हरकत से समस्त जीवसृष्टी को संकट में डाल दिया है, सभी ओर समस्याओं का अंबार लगा हुआ नजर आता हैं। मौसम का चक्र ऋतु अनुसार परिवर्तनशील चलता रहता है, परंतु लगातार मानवीय हस्तक्षेप से पर्यावरण का संतुलन बिगड़ता ही जा रहा है, जिस कारण मौसम में हमेशा बदलाव नजर आता हैं। कभी गर्मी में बारिश होती है, बारिश में ठंडी, ठंडी में बारिश, तो कभी बारिश में गर्मी होती है, वातावरण में लगातार बढ़ती आर्द्रता से जान घबराती हैं। कहीं बाढ़ तो कहीं अकाल पड़ जाता हैं। ऐसे अचानक मौसम में बदलाव से मानवी शरीर और फसलों, खाद्यपदार्थों पर बेहद बुरा असर होता हैं। शुद्ध वातावरण की देश में वैसे ही कमी होती है, हर ओर प्रदूषण, अशुद्ध हवा-पानी, खाद्यपदार्थों में घातक रसायनों का प्रयोग, मिलावटखोरी, प्राकृतिक संसाधनों का अत्यधिक दोहन, जंगल कटाई, उपजाऊ भूमि का ह्रास, यांत्रिक संसाधनों पर बढ़ती निर्भरता, हानिकारक गैसों का लगातार उत्सर्जन, खराब उत्पादों की बाजार में व्यापकता और घातक कचरे के बढ़ते पहाड़ ग्लोबल वार्मिंग के लिए जिम्मेदार हैं। पहले के मुकाबले आज लोगों की शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य समस्या तेजी से बढ़ती नजर आती है, मौसम में हल्का सा बदलाव होते ही लोगों में वायरल फैल जाता है, जल्द बीमारी जकड़ लेती है, नयी-नयी जानलेवा बीमारियों ने जन्म ले लिया है, मनुष्य की रोग प्रतिकारक क्षमता कम समय में ही कमजोर पड़ जाती हैं। इस बदलते मौसम के दुष्प्रभाव के कारण मनुष्यों के साथ-साथ असंख्य वन्य जीव, जलचर, जीवजंतु असमय जान गंवाते हैं।

हर साल 23 मार्च को विश्व मौसम विज्ञान दिवस जनजागरूकता के लिए पुरे विश्व में मनाया जाता हैं। इस वर्ष की थीम है आज निरिक्षण, कल की सुरक्षा। लगातार बदलते मौसम की सटीक जानकारी प्राप्त करना बेहद महत्वपूर्ण है, ताकि उस आंकलन पर विकास और सुरक्षा हेतु योग्य प्रारूप तैयार किया जा सकें। आपदाओं के खतरे को कम करके भविष्य के लिए दृढ विकास हम प्राप्त कर सकते हैं। अभी मार्च में शुरू हुई तेज गर्मी सामान्य से 4-8 सेल्सियस ज़्यादा तापमान हैं। हमारे देश में असंतुलित मौसम लगातार अपने नवनवीन रिकॉर्ड बना रहा है, जो दशकों के अपने पुराने रिकॉर्ड तोड़ रहा हैं। गर्मी में अत्यधिक गर्मी, ठंड में अत्यधिक ठंडी और बारिश के मौसम में बाढ़ की भयावह स्थिति हर ओर नजर आती हैं। इस कारण देश में अक्सर बीमारियों का साम्राज्य फला-फूला रहता हैं। लगातार बदलते मौसम से लोगों की सेहत पर गंभीर असर पड़ रहा है। 2025 की शुरुआत में खराब मौसम की घटनाओं से होने वाली मौतों में पिछले सालों के मुकाबले 48 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। बढ़ते तापमान से ओजोन परत को बहुत नुकसान हो रहा है, जिससे सांस के विकार अधिक गंभीर हो रहे हैं। हीटस्ट्रोक, डिहाइड्रेशन और दिल की बीमारियां बेतहाशा बढ़ रही हैं। उष्ण लहरों का बढ़ना, कीड़ों से होने वाली बीमारियों का बढ़ना, बाढ़ के कारण पानी से होने वाले इंफेक्शन, डायरिया, हैजा, मलेरिया, डेंगू और अशुद्ध ऑक्सीजन शामिल हैं, इसका सबसे ज्यादा बुरा असर आर्थिक रूप से कमजोर तबके पर बहुत ज़्यादा पड़ता है, जो अपने परिवार के लिए दो वक्त की रोटी-रोजी के जुगाड़ में संघर्ष करते रहते हैं। समुद्री तटीय राज्यों में अक्सर बाढ़, साइक्लोन और हीट वेव का खतरा ज्यादा रहता हैं। मौसम की खराबियों और बार-बार फसल खराब होने के कारण संबंधित व्यवसायिकों या किसानों को मानसिक समस्या जैसे चिंता, नैराश्य और आघातोत्तर तणाव विकार हो सकता हैं। हमारे देश में किसानों को बेहद परिश्रम करने के बाद, प्रकृति की मार झेलने बाद भी योग्य फल या मुआवजा नहीं मिलता, इसलिए किसान आत्महत्या की घटनाएं अत्यधिक घटती हैं।

पल-पल बदलता मौसम भारतीय खेती पर गंभीर असर डाल रहा है, जिससे खाद्य सुरक्षा को खतरा है एवं पैदावार कम हो रही हैं। इन बदलावों की वजह से हीट स्ट्रेस हो रहा है, पॉलिनेशन में रुकावट आ रही है, कीड़ों का प्रकोप बढ़ रहा है, और मिट्टी की नमी कम हो रही है, जिससे 2050 तक बारिश पर निर्भर चावल, गेहूं और मक्के की पैदावार में 18ङ्क20 प्रतिशत की कमी आने की पूरी संभावना हैं। अनिश्चित, कम या अधिक बारिश से बुआई का समय बिगड़ जाता है, खासकर खरीफ़ सीज़न में, और ज़्यादा बारिश से मिट्टी का गंभीर कटाव होता हैं। फसल कटाई के समय में सूखे, बाढ़ और बेमौसम तूफानों के बढ़ने से फसलों और संसाधनों को बहुत नुकसान होता हैं। फसलों पर कीड़ों का बढ़ता आक्रमण खाद्य उत्पादकता को बुरी तरीके से तबाह करता है, बढ़ती गर्मी से दूधजन्य पशुओं के सेहत पर भी गंभीर परिणाम होते हैं। अनियमित बारिश किसानों के लिए एक अभिशाप है, देश में वैसे ही सिंचाई की स्थिति समाधनकारक नहीं है, मिट्टी की उर्वरकता लगातार गिर रही हैं।

बढ़ती मानवीय गतिविधियों के कारण तापमान में लगातार वृद्धि हुई है, जिसका असर हम सभी भुगत रहे हैं। प्राकृतिक संसाधनों का अत्यधिक दोहन, कार्बन डाइऑक्साइड जैसी घातक गैसों का बढ़ता उत्सर्जन और उन्हें रोकनेवाले जंगल, पेड़, वन्यजीवों का ह्रास हो रहा है, तो दूसरी ओर शहरों, कस्बों में सीमेंट के जंगल उग रहे है, जिससे बारिश का पानी जमीन सोख नहीं पाती और वह शुद्ध पानी ऐसे ही नालों में बह जाता है, इस कारण तापमान भी कम नहीं होता। शहरों में पेड़ों की जड़े कमजोर हो रही है, हल्की हवा चलते ही पेड़ जड़ो से टूटकर गिर पड़ते हैं। मानवी सुविधा के नाम पर पहाड़ों को भी क्षति पहुंचाई जा रही है, जिससे भूस्खलन की घटनाएं अत्यधिक बढ़ गई हैं। अगर हम प्रकृति को बर्बाद करेंगे तो प्रकृति भी बदला लेगी ही। जंगल समृद्ध होंगे तो, वन्यजीव, पशु-पक्षी समृद्ध होंगे, ये जीव ही प्रकृति के रक्षक हैं। इससे तापमान संतुलित होने में मदद मिलेगी। पर्याप्त मात्रा में वर्षा होगी, जिससे जल स्त्रोत समृद्ध होते है, मिट्टी का कटाव रुकता है, वन्यजीव और मानवी संघर्ष रुकता हैं। ओजोन परत की रक्षा होती है, शुद्ध ऑक्सीज़न-पानी मिलता हैं। जीवों में चलने वाली खाद्य श्रृंखला योग्य रूप में संचालित होती है, श्रृंखला के प्रत्येक जीव को पोषक वातावरण, बेहतर अधिवास का मौका मिलता हैं। मनुष्य के लिए सबसे आवश्यक जिस बात का असर उसके जीवन, स्वास्थ्य, दिनचर्या पर पड़ता है, वह बात सबसे अहम है, परंतु देश में हमेशा मौसम विज्ञान, प्रदूषण, वैश्विक तापमान, पर्यावरण जैसे गंभीर मुद्दों को दूर रखकर केवल वाद-विवाद, भेदभाव, राजनीती स्वार्थ, लालच, भ्रष्टाचार और अशांति के लिए भागते लोग नजर आते हैं। पर्यावरण का संतुलन बनाए तो होने वाली असंख्य घातक बीमारियां, उसके खर्चे, असमय मौत को काफी हद तक रोककर बेहतर जीवनमान दे सकते है, इससे अरबों डॉलर की संपत्ति बचाई जा सकती हैं। सबसे पहले हमने इंसान बनकर पर्यावरण के प्रत्येक घटक का महत्व जानना होगा, देश-दुनिया को बचाने के लिए प्रत्येक का सहभाग आवश्यक हैं। ग्लोबल वार्मिंग को रोकने और पर्यावरण की रक्षा के लिए बेहद कड़े कानून की आवश्यकता हैं। सबसे पहले लोगों में जागरूकता बहुत आवश्यक हैं। पर्यावरण हमारा है, इसकी रक्षा की जिम्मेदारी भी हमारी है, तभी तो हम स्वस्थ, शुद्ध और पोषक वातावरण पा सकेंगे और आनेवाली पीढ़ी को बेहतर कल दे पायेंगे।

- डॉ. प्रितम भि. गेडाम

विद्यार्थियों-भाषण, निबंध, पेंटिंग कॉम्पिटिशन में हिस्सा लें- एम. मुरुगनांथम

ज़िला परिषद ने किया आयोजन; 4 लाख 38 हज़ार रुपये के 60 पुरुस्कार

बुलंद गोंदिया। स्टूडेंट्स के अंदर छिपी खूबियों को बाहर लाने के लिए, ज़िला परिषद गोंदिया ने मुख्यमंत्री के समृद्ध पंचायत राज अभियान और स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) के तहत भाषण, निबंध और पेंटिंग कॉम्पिटिशन का आयोजन किया है। यह प्रतियोगिता क्लास छटवीं से बारावी तक के सभी स्टूडेंट्स के लिए है और कॉम्पिटिशन में सफल स्टूडेंट्स लगभग 4 लाख 38 हज़ार रुपये के इनाम जीत सकेंगे। ज़िला परिषद गोंदिया के मुख्य कार्यपालन अधिकारी एम. मुरुगनांथम ने ज़िले के स्टूडेंट्स से इस कॉम्पिटिशन में हिस्सा लेने की अपील की है। यह प्रतियोगिता तीन लेवल पर हो रही है जिसमे ग्राम पंचायत, पंचायत समिति और ज़िला परिषद स्तर ये प्रतियोगिताएं 19 से 23 मार्च के बीच ग्राम पंचायत स्तर पर आयोजित करने के निर्देश दिए गए हैं। ग्राम पंचायत स्तर पर कक्षा 6 से 12 तक के लिए एक ही समूह होगा, जिसमें से प्रत्येक प्रतियोगिता के लिए एक प्रतियोगी का चयन कर तालुका स्तरीय प्रतियोगिता में भेजा जाएगा। तालुका स्तरीय और जिला स्तरीय प्रतियोगिताएं दो समूहों में आयोजित की जाएंगी। इसमें एक समूह कक्षा 6 से 8 और दूसरा समूह कक्षा 9 से 12 के लिए होगा। तालुका स्तरीय प्रतियोगिताएं पंचायत समिति कार्यालय परिसर में होंगी, जबकि जिला स्तरीय प्रतियोगिताएं जिला परिषद प्रशासनिक भवन परिसर में होंगी। ग्राम पंचायत स्तरीय वक्तृता प्रतियोगिता के विषय विकसित खुशहाल गांव, स्वच्छ हरा स्वस्थ गांव और ग्राम स्तरीय संस्था सशक्तीकरण होंगे। कक्षा 6 से 8 के लिए तालुका स्तरीय वक्तृता प्रतियोगिता के विषय मेरा गांव स्वच्छ गांव, ग्राम स्तरीय संस्था सशक्तीकरण जबकि जिला स्तर पर विषय ग्रामीण विकास में लोगों की भागीदारी, जलवायु परिवर्तन और ग्रामीण जीवन पर इसका प्रभाव और ग्राम स्तरीय संस्था सशक्तीकरण होंगे। कक्षा IX से XII के लिए भाषण प्रतियोगिता के लिए विषय होंगे खुशहाल गांव, स्वच्छ हरा स्वस्थ गांव, तालुका स्तर पर सामाजिक न्याय, जबकि इसी समूह में जिला स्तर पर भाषण प्रतियोगिता के लिए विषय होंगे ग्रामीण विकास में युवाओं की भूमिका, आदर्श गांव के निर्माण में जनभागीदारी, आजीविका विकास, सामाजिक न्याय। ग्राम पंचायत स्तर पर निबंध प्रतियोगिता के लिए विषय होंगे एनीमिया मुक्त गांव, सौर ऊर्जा, पर्यावरण के अनुकूल गांव, सुशासित गांव। तालुका स्तर पर कक्षा IX से XII के लिए विषय होंगे जलवायु परिवर्तन और ग्रामीण जीवन पर इसका प्रभाव, जनभागीदारी और श्रमदान के जरिए जन आंदोलन। जिला स्तर पर निबंध प्रतियोगिता के लिए विषय होंगे हरित ऊर्जा गांव, पर्यावरण के अनुकूल गांव, जनभागीदारी और श्रमदान के जरिए जन आंदोलन। ग्राम पंचायत स्तर पर चित्रकला प्रतियोगिता के विषय स्वच्छ और हरा-भरा गांव, पर्यावरण के अनुकूल गांव होंगे। तालुका स्तर पर, कक्षा 6वीं से 8वीं के लिए चित्रकला प्रतियोगिता प्रकृति चित्रकला (आपके गांव से संबंधित), पर्यावरण के अनुकूल गांव होगी, जबकि जिला स्तर पर विषय जल बचाओ, भविष्य बचाओ, पेड़ बचाओ, पृथ्वी बचाओ होंगे। कक्षा 9वीं से 12वीं के लिए चित्रकला प्रतियोगिता में विषय पेड़ बचाओ, पृथ्वी बचाओ, मेरा गांव, स्वच्छ गांव और जिला स्तर पर स्वच्छ पर्यावरण, स्वस्थ गांव, हरित ऊर्जा गांव, आपके गांव की संस्कृति होंगे। वक्तृता प्रतियोगिता के लिए एक प्रतियोगी को पांच मिनट का समय दिया जाएगा। निबंध प्रतियोगिता के लिए शब्द सीमा कम से कम 200 शब्द होगी। छात्र इससे अधिक शब्दों में निबंध लिख सकते हैं। निबंध और चित्रकला प्रतियोगिता के लिए प्रत्येक को एक घंटे का समय दिया जाएगा। वक्तृता और निबंध प्रतियोगिता केवल मराठी भाषा में आयोजित की जाएगी। चित्रकला प्रतियोगिता के लिए पानी के रंग या तेल के रंग की अनुमति है, और छात्रों को अपने स्वयं के रंग लाने होंगे। विशेष रूप से, छात्रों को तीन जिला-स्तरीय प्रतियोगिताओं के लिए सूचीबद्ध किसी एक विषय के बारे में एक घंटे पहले सूचित किया जाएगा। छात्रों को उसी विषय पर प्रतियोगिता में भाग लेना है। तालुका और जिला-स्तरीय दोनों प्रतियोगिताओं में से प्रत्येक में तीन प्रतियोगिताओं के लिए पाँच पुरस्कार दिए जाएंगे। प्रत्येक तालुका-स्तरीय प्रतियोगिता में प्रथम और द्वितीय आने वाले दो छात्रों को जिला-स्तरीय प्रतियोगिता के लिए चुना जाएगा। दोनों तालुका-स्तरीय समूहों के लिए, प्रथम के लिए 2,000 रुपये, द्वितीय के लिए 1,500 रुपये, तीसरे के लिए 1,000 रुपये, चौथे के लिए 750 रुपये और पांचवें के लिए 500 रुपये का नकद पुरस्कार दिया जाएगा। दोनों जिला-स्तरीय समूहों में तीन प्रतियोगिताओं के लिए, प्रथम के लिए 10,000 रुपये, द्वितीय के लिए 7,500 रुपये, तीसरे के लिए 5,000 रुपये, चौथे के लिए 3,000 रुपये और पांचवें के लिए 500 रुपये का नकद पुरस्कार दिया जाएगा। पांचवे नंबर के लिए 1,500 रुपये, सर्टिफिकेट और यादगार चीज़ें दी जाएंगी। तीनों कॉम्पिटिशन के लिए कुल 60 अवॉर्ड दिए जाएंगे, 30 तालुका लेवल पर और 30 डिस्ट्रिक्ट लेवल पर। खास बात यह है कि ग्राम पंचायत डिपार्टमेंट के डिप्टी चीफ एग्जीक्यूटिव ऑफिसर मधुकर वासनिक और वॉटर एंड सैनिटेशन डिपार्टमेंट के डिप्टी चीफ एग्जीक्यूटिव ऑफिसर विजय लोंधे ने बताया है कि डिस्ट्रिक्ट लेवल पर कॉम्पिटिशन में हिस्सा लेने वाले स्टूडेंट्स के लिए खाने का इंतज़ाम किया जाएगा। उन्होंने पेरेंट्स से भी अपील की है कि वे अपने बच्चों को कॉम्पिटिशन में हिस्सा लेने के लिए बढ़ावा दें और ज़्यादा जानकारी के लिए ग्राम पंचायत ऑफिस या संबंधित स्कूल से कॉन्टैक्ट करें।

प्रतियोगिता समय सारणी

ग्राम पंचायत लेवल प्रतियोगिता 19 से 23 मार्च के बीच होंगे। तहसील लेवल प्रतियोगिता 25 मार्च को और जिला लेवल के कॉम्पिटिशन 27 मार्च को होंगे।

रमजान ईद पर शरबत वितरण

साकोली- पवित्र ईद-उल-फितर (रमजान ईद) के अवसर पर स्थानीय नागझिरा रोड स्थित ईदगाह मैदान में श्रद्धा और उत्साह के साथ नमाज अदा की गई. सुबह करीब 8.30 बजे बड़ी संख्या में मुस्लिम समाज के लोगों ने सामूहिक नमाज अदा कर अमन-चैन और खुशहाली की दुआ मांगी. नमाज के उपरांत फ्रें ग्रुप द्वारा मुस्लिम भाइयों को शरबत वितरण किया गया. ईदगाह मैदान के समीप लगाए गए शामियाने में श्रद्धालुओं को शरबत पिलाकर सेवा कार्य किया गया, जिसे लोगों ने सराहा. इस अवसर पर नगरसेवक प्रमोद गजभिये, कमलेश मेश्राम, धीरज वाहने, प्रखर गुप्ता, हर्षल शामकुवर, मनोज बालोदे, जनार्धन कापगते, दिगू भाऊ वैद्य तथा सेवानिवृत्त शिक्षक अरविंद कोटांगले सहित फ्रें ग्रुप के सदस्य उपस्थित थे. फ्रें ग्रुप के इस उपक्रम के माध्यम से सर्वधर्म समभाव और सामाजिक एकता का संदेश दिया गया. ईद के पावन अवसर पर शरबत वितरण कर भाईचारे, प्रेम और सद्भाव का परिचय प्रस्तुत किया गया.

रानी अवंतीबाई लोधी आजाद भारत का गौरव : पुर्व विधायक गोपालदास अग्रवाल

गोंदिया-लोधी अमर शहीद वीरांगणा रानी अवंतीबाई का बलीदान दिवस ग्राम रतनारा के पाटीलटोला में रतनारा संसाधन संस्था द्वारा मनाया गया। इस अवसर पर शालेय छात्र-छात्राओं द्वारा देशभक्ती गीत, समुह नृत्य, नाटिका स्पर्धा का शुभारंभ पूर्व विधायक गोपालदास अग्रवाल के हस्ते संपन्न हुआ। इस अवसर पर पूर्व विधायक गोपालदास अग्रवाल ने शहीद वीरांगणा लोधी राणी अवंतीबाई की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर आदरांजलि दी। कार्यक्रम का शुभारंभ पूर्व विधायक गोपालदास अग्रवाल, नगराध्यक्ष सचिनभाऊ शेंडे, सरपंच सतीश दमाहे, उपसरपंच धनपालजी धुवारे, पुर्व जि.प. सदस्य अर्जुन नागपूरे, पूर्व पं.स. सभापती प्रकाश रहमतकर, कृउबास सदस्य धनलाल ठाकरे, पस सदस्य निखिल चिखलोंडे, ग्राप सदस्य चैनलाल लिल्हारे, अवंतीबाई लोधी महासभा अध्यक्ष शिवजी नागपुरे, कृउबास सदस्य राजीव ठकरेले की प्रमुख उपस्थिती में संपन्न हुआ। इस अवसर पर पूर्व विधायक गोपालदास अग्रवाल ने कहा कि, रानी अवंतीबाई लोधी वह वीरांगणा थी, जिसने अंग्रेजी हुकुमत को हिलाकर रख दिया था। इतिहासकारों ने भले ही इस वीर महिला के साहस को वह प्रसिद्धी प्रदान नहीं की, जिसकी वह हकदार थी। लेकिन रानी अवंतीबाई लोधी का हिन्दुस्तान की आजादी की लड़ाई में योगदान भुलाया नहीं जा सकता। रानी अवंतीबाई देश की आजादी की क्रांती में वो अमर शहीद है, जिनका स्थान सुनहरे अक्षरों में लिखा जाना चाहिए। रानी अवंतीबाई न केवल लोधी समाज का अपितु सारे आजाद भारत का गौरव है, ऐसी वीरांगणा अमर शहीद रानी अवंतीबाई के बलिदान दिवस पर उन्हें कोटी-कोटी नमन करते हुए, उनके बताए हुए मार्ग पर चलने का विश्वास पूर्व विधायक गोपालदास अग्रवाल ने व्यक्त किया। पूर्व जि.प. सदस्य अर्जुन नागपूरे ने कहा की आजाद देश की खुली हवा मेंसांस ले रहे हम सभी नागरीकों को वीरांगणा राणी अवंतीबाई की शहादत को हमेशा याद रखना चाहिए, जिन्होंने अपने दम पर अंग्रेजों की विशाल फौज से टक्कर लेते हुए, हिन्दुस्तान की आजादी की लड़ाई का बिगुल फूंका था। उनके आव्हान पर देश के हजारों नागरीकों ने अंग्रेजी सेना के दांत खट्टे कर दिए थे। प्रमुख रुप से नगराध्यक्ष सचिन शेंडे, सरपंच सतिश दमाहे, जिप सदस्य अंजलीताई कटरे, पस सदस्य निखिल चिखलोढे, वैद्यकिय अधिकारी राजेन्द्र लिल्हारे, अध्यक्ष से. कृ. से. सह मदनभाऊ चिखलोढे, जमींदार कामठा चैतालीताई नागपुरे, इंजि. आय. बी. कुरैशी, दवनीवाडा थानेदार ढाले, पुर्व जिप सदस्य अर्जुन नागपुरे, पांढराबोड़ी सरपंच झुमक दमाहे, लोहारा सरपंच जितेन्द्र ढेकवार लोधीटोला सरपंच दिपलताताई ठकरेले, निलागोंदी सरपचं सुशिलाताई लिल्हारे, पूर्व जिप सभापति छायाताई दसरे, इंद्रराज बिरनवार, राजू लिलहरे, ईश्वर लिलहरे, भवरलाल राउत, बलिराम बिसेन, मंगेश बिसेन, रेखाबाई चिखलोंढे, अवंतीबाई लोधी महासभा अध्यक्ष शिवजी नागपुरे, मिलन समारोह अध्यक्ष सुनिल लिल्हारे, उपाध्यक्ष निरजसिंह नागपुरे, कोषाध्यक्ष अरविंद उपवंशी, नंदकिशोर बिरनवार, सुरेश लिल्हारे, अशोक नागपुरे, जितेन्द्र नागपुरे, संजुबाबा नागपुरे, संजय नागपुरे, शिव नागपुरे, राजीव ठकरेले, पुनाप्रसादजी लिल्हारे, आत्मारामजी दसरे, प्रेमजी बसेने, दुर्योधन भोयर, फागुलाल लिल्हारे, राजकुमार बसेने, डॉ. उत्तम ढेकवार, शोभाराम बघेले, दादोराव बहेटवार, चैनलाल लिल्हारे, दिनेश लिल्हारे, शैलेश बोरकर, टुंटीराम ढेकवार, आचलबाई दाऊदसरे सहित बड़ी संख्या में ग्रामवासी उपस्थित थे।

नकली जेवरात थमाकर ज्वेलर्स को चूना लगाने वाली महिला गिरफ्तार
व्हाट्सएप ग्रुप की सतर्कता से मिली सफलता

बुलंद गोंदिया। (संवाददाता तिरोड़ा) तिरोड़ा शहर के सराफा बाजार में नकली आभूषणों के जरिए ठगी करने वाली एक शातिर महिला को पुलिस ने रंगे हाथों गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। आरोपी महिला ने शहर के कई प्रतिष्ठित ज्वेलर्स को अपना निशाना बनाया था।

ऐसे दिया वारदात को अंजाम

प्राप्त जानकारी के अनुसार, बुधवार 25 मार्च 2026 को दोपहर करीब 3ः30 बजे रूपा सतीश पवार (36) नामक महिला 'तारसेवाला ज्वेलर्स' पहुंची। उसने पुराने सोने के आभूषण बेचने और नई सोने की चेन खरीदने का नाटक किया। इस दौरान महिला ने असली बताकर पॉलिश किए हुए नकली आभूषण दुकानदार को थमा दिए और करीब 30,500 रुपये की ठगी कर रफूचक्कर हो गई।

व्हाट्सएप ग्रुप और सीसीटीवी ने बिछाया जाल

ठगी का अहसास होते ही घटना की जानकारी और

संदिग्ध महिला के सीसीटीवी फुटेज 'व्हाट्सएप ग्रुप पर साझा किए गए। इसी बीच, महिला अगली ठगी की नियत से 'पटले ज्वेलर्स' पहुंची। वहां के संचालकों ने व्हाट्सएप पर वायरल फोटो और हुलिए के आधार पर महिला को तुरंत पहचान लिया और पुलिस को सूचना दी।

पुलिस की त्वरित कार्रवाई

सूचना मिलते ही पुलिस उप निरीक्षक प्रियंका बैंस और हवलदार नितेश बावने की टीम ने मौके पर पहुंचकर घेराबंदी की और आरोपी रूपा पवार को हिरासत में ले लिया। पूछताछ में खुलासा हुआ कि पकड़ी गई महिला ने उसी दिन कुंभारे ज्वेलर्स और भरने ज्वेलर्स में भी इसी तरह की ठगी को अंजाम दिया था। पुलिस ने इस मामले में भारतीय न्याय संहिता की धारा 318(4) के तहत मामला दर्ज किया है।यह कार्रवाई थाना प्रभारी अमित वानखेड़े के मार्गदर्शन में पीएसआई प्रियंका बैंस, पीएसआई कोंडे, हवलदार नितेश बावने और कांस्टेबल शैलेश दमाहे द्वारा की गई। पुलिस अब इस बात की जांच कर रही है कि क्या इस गिरोह में अन्य लोग भी शामिल हैं।

मामले की जांच शुरू आरोपी महिला को गिरफ्तार कर लिया गया है और उससे सघन पूछताछ जारी है। प्राथमिक जांच में कई ज्वेलर्स के साथ ठगी की बात सामने आई है। दुकानदार किसी भी अनजान व्यक्ति से पुराने जेवर खरीदते समय पूरी सावधानी बरतें।

- अमित वानखेड़े,
पुलिस निरीक्षक, तिरोड़ा

पेट्रोल 7 लाख, डीजल 9 लाख लीटर का भरपूर स्टॉक
अफवाह ऊपर ना दे ध्यान -जिलाधिकारी प्रजीत नायर

गोंदिया-पेट्रोल पंपों पर फिर भी लग रही कतारे बुलंद गोंदिया। गोंदिया जिले में पेट्रोल का 7 लाख लीटर वह डीजल 9लाख लीटर से अधिक का भरपूर स्टॉक है ऐसी जानकारी जिलाधिकारी प्रजीत नायर द्वारा देते हुए आवाहन किया गया है कि नागरिक अफवाहों पर ध्यान ना दें। गौरतलब है की 24 मार्च को कुछ सोशल मीडिया ग्रुप में जिले में पेट्रोल, डीजल की कमी होने की चर्चा हुआ होने के पश्चात पेट्रोल पंपों पर भारी भीड़ उमड़ पड़ी थी जिसे कुछ पेट्रोल पंप में भारी भीड़ के चलते पेट्रोल खत्म हो गया था जिससे इस अफवाह को बल मिला था। जिसके पश्चात गोंदिया के जिलाधिकारी प्रजीत नायर द्वारा एक प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से जानकारी दी गई कि जिले में पेट्रोल डीजल वह रसोई गैस की कमी नहीं है तथा भरपूर स्टॉक है। 25 मार्च को जिलाधिकारी द्वारा जारी की गई जानकारी के अनुसार गोंदिया जिले में पांच पेट्रोलियम कंपनी में जिसमें हिंदुस्तान पैट्रोलियम के पेट्रोल पंपों में 1लाख 3000 लीटर, इंडियन ऑयल कार्पोरेशन के पेट्रोल पंपों में 2लाख 3000 लीटर ,भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन में तीन लाख 65000 लीटर तथा नियारा में 35600 लीटर पेट्रोल इस प्रकार 7 लाख 6600 लीटर का भरपूर स्टॉक है। उसी प्रकार हिंदुस्तान पैट्रोलियम में डीजल 52000 लीटर, इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन में 2लाख 41000 लीटर ,भारत पेट्रोलियम में 5 लाख 70000 लीटर वह नियारा में 70हजार 300 लीटर डीजल इस प्रकार 9 लाख 33300 लीटर है।इस प्रकार जिले की गैस एजेंसी में घरेलू रसोई गैस का भी भरपूर स्टॉक है तथा नागरिकों को नियमानुसार नियमित रूप से सप्लाई की जा रही है। नागरिक अफवाह पर ना दे ध्यान पेट्रोल डीजल व रसोई गैस की कमी पर नागरिक ध्यान ना दे जिले में भरपूर स्टॉक है अफवाह फैलाने वालों पर नियमानुसार कार्रवाई की जाएंगी

पेट्रोल पंप फिर भी लगी कतारे कुछ पेट्रोल पंपों पर भारी भीड़ के चलते पेट्रोल खत्म हो गया था लेकिन 25 मार्च की शाम पेट्रोल की आवक सुचारू होने से वाहन चालकों को पेट्रोल प्राप्त हो रहा है लेकिन उसके बावजूद भी नागरिक लोग पेट्रोल कमी की अफवाह के चलते बड़े पैमाने पर पेट्रोल पंप पर भीड़ लग रहे जिससे लंबी-लंबी कतारे लग रही है उसके बावजूद भी नागरिकों को कम समय में पेट्रोल की आपूर्ति होरही है।

नगर परिषद के मार्च एंडिंग को अब 5 दिन ही शेष टागरेट पाने वसूली की दौड़भाग तेज

गोंदिया-मार्च एंडिंग को ध्यान में रखते हुए नगर परिषद ने संपत्ति टैक्स वसूली अभियान तेज कर दिया है. लेकिन कुछ क्षेत्रों में प्रतिसाद मिल रहा है तो कुछ क्षेत्रों में संपत्ति जब्ती के नोटिस और चेतावनी जारी करने के बावजूद, अपेक्षित प्रतिसाद नहीं मिल रहा है. संपत्ति टैक्स, जल शुल्क और अतिदेय किराया वसूली टीम के माध्यम से वसूला जा रहा है. टीम के अधिकारी घरों का दौरा कर रहे हैं और संपत्ति मालिकों को भुगतान के संबंध में सलाह दे रहे हैं. जो लोग इन निर्देशों की अनदेखी करेंगे उन्हें दंडित किया जाएगा. वसूली अधिकारियों के वाहन शहर के साथ ही ग्रामीण क्षेत्रों में भी चलने लगे हैं. वसूली अधिकारी व संस्थाओं के कर्मचारी किसानों व व्यवसायियों को दिए गए कर्ज की यथासंभव वसूली कर लेखापरीक्षा में वर्ग %ए% में बने रहने के लिए संघर्ष कर रहे हैं. दूसरी ओर बिजली वितरण कंपनी भी वाहन चलाकर ग्राहकों से बिजली बिल भरने की अपील कर रही है. जैसे ही वित्तीय वर्ष समाप्त होता है, बैंकों, क्रेडिट यूनियनों और विकास समितियों ने वसूली प्रक्रिया को तेज कर दिया है.

इससे यह भी देखा जा रहा है कि कई कर्जदार वसूली अधिकारियों के साथ धोखा कर रहे हैं. वित्तीय वर्ष 31 मार्च को समाप्त हो रहा है. राष्ट्रीयकृत, सहकारी, नागरिक बैंकों, क्रेडिट संस्थाओं, वित्त कंपनियों, क्रेडिट सोसायटियों का कर्ज वसूली अभियान जोरों पर चल रहा है. होम लोन, वाहन गिरवी, गोल्ड गिरवी, फसल कर्ज रिकवरी के लिए हर बैंक और संस्थाओं द्वारा पूरी ताकत से वसूली की जा रही है. इस बीच महावितरण के कर्मचारी भी शहर व गांवों में घूम-घूम कर ग्राहकों से बिजली बिल भरने की मांग कर रहे हैं. जहां बैंक व पत संस्थाओं के अधिकारी व कर्मचारी कर्जदारों के घर जाने लगे हैं, वहीं ग्राम पंचायतें भी पीछे नहीं हैं. ग्राम पंचायतों ने टैक्स वसूली के लिए भी वसूली अभियान तेज कर दिया है और ग्राम सेवक सहित ग्राम पंचायत के कर्मचारी गांव में घूमते नजर आ रहे हैं.

जो संपत्ति धारक अनदेखी करेंगे उन्हें दंड

वित्तीय वर्ष 31 मार्च को समाप्त हो रहा है. टैक्स वसूली के लिए वसूली अभियान तेज कर दिया गया है. नागरिकों से निवेदन है कि संपत्ती टैक्स समय पर जमा करें ताकि शहर विकास को गति मिलेगी. जो संपत्तीधारक निर्देशों की अनदेखी करेंगे उन्हें दंडित किया जाएगा.

- संदीप बोरकर,
मुख्याधिकारी, नगर परिषद, गोंदिया

संसद में गूंजा धान के बकाया भुगतान का मुद्दा
लोकसभा के बजट सत्र में सांसद किरसान ने उठाया मामला

गोंदिया-धान खरीदी केन्द्रों के माध्यम से करोड़ो रुपयों का धान खरीदा गया। लेकिन निर्धारित समय में किसानों को धान का। भुगतान नहीं किया जा रहा है। अभी भी हजारों किसानों को बकाया राशि का इंतजार है।जिसे देखते हुए सांसद डॉ. नामदेवराव किरसान ने लोकसभा में चल रहे बजट के दौरान मुद्दा उठाते हुए मांग की कि धान की बकाया राशि दी जाए, ताकि कृषि कर्ज समय पर अदा कर सकें। बता दें कि, लोकसभा में बजट पर अधिवेशन चल रहा है। इस दौरान सांसद किरसान ने कहा कि गोंदिया-भंडारा-गड़चिरोली-चंद्रपुर जिले में सबसे अधिक धान का उत्पादन होता है। सरकारी धान खरीदी केन्द्रों के माध्यम से समर्थ मूल्य पर धान की खरीदी की गई। कृषि कर्जदार किसानों को 31 मार्च तक कृषि कर्ज अदा करना है, लेकिन धान की बकाया राशि किसानों के खातों में जमा नहीं की जा रही है। वहीं अनेक किसानों के धान खरीदी की प्रक्रिया शुरू नहीं की गई है, जिस वजह से निर्धारित समय में कृषि कर्ज अदा करना किसानों के लिए मुश्किल हो गया है।

28 मार्च को निकलेगी विविध रंगारंग झांकियां
श्रीराम जन्मोत्सव शोभायात्रा

आमगांव-श्रीराम जन्मोत्सव के अवसर पर श्रीराम जन्मोत्सव समिति और सकल समाज, आमगांव की ओर से 28 मार्च को भव्य शोभायात्रा का आयोजन किया गया है. उल्लेखनीय है कि इस शोभायात्रा का मुख्य आकर्षण सभी समाज की महिला मंडलों द्वारा प्रस्तुत की जाने वाली भव्य और आकर्षक झांकियां होंगी. यह शोभायात्रा शाम 4 बजे साहित्य मंडल, रिसामा से प्रारंभ होगी तथा आंबेडकर चौक, अष्टविनायक चौक, गांधी चौक, छात्रपति शिवाजी महाराष्ट्र चौक (कामठा चौक) पुनः गांधी चौक, महाकाली मंदिर, बनिया मोहल्ला मार्ग होते हुए प्राचीन राजा रामलला सरकार मंदिर में समाप्त होगी. समापन स्थल पर महाआरती और महाप्रसाद का आयोजन किया गया है. शोभायात्रा में शामिल श्रद्धालुओं के लिए विभिन्न स्थानों पर

पेयजल, शरबत, मठ्ठा और आइसक्रीम की निःशुल्क व्यवस्था की गई है. श्रीराम जन्मोत्सव समिति और सकल समाज, आमगांव की ओर से सभी नागरिकों से इस ऐतिहासिक शोभायात्रा में शामिल होकर भक्तिमय वातावरण का लाभ लेने की अपील की गई है

महिला मंडलों द्वारा भव्य झांकियां

शोभायात्रा में प्रमुख आकर्षण होंगे महिला मंडलों द्वारा सजे भक्तिमय झांकियों के दृश्य. विभिन्न समाज की महिला मंडल, सुरभि गौशाला समिति, शक्ति ग्रुप आदि की झांकियां रहेगी. श्रीराम जन्मोत्सव समिति और सकल समाज, आमगांव की ओर से विशेष झांकियां प्रस्तुत की जाएंगी. जिसमें श्रीराम-जानकी (मूर्तिस्वरूप), महाबली हनुमान, वानरसेना, महाकाली, महाकाल, आदियोगी, कृष्ण-सुदामा-हनुमान की झांकियों का समावेश होगा.

वडेगांव बंध्या, खोलदा में फसल को नुकसान हाथियों के झुंड का उत्पात

गोंदिया-अर्जुनी मोरगांव तहसील जंगलों से घिरा हुआ है. इस तहसील में जंगली जानवर खुलेआम घूमते हैं. इसी तरह, पिछले कुछ वर्षों से जंगली हाथी भी घूमते देखे जा रहे हैं. हाथियों के एक झुंड ने तहसील के वड़ेगांव बंध्या परिसर में करीब एक सप्ताह तक डेरा डाला था. उसके बाद यह झुंड गड़चिरोली की तरफ लौट गया, लेकिन एक सप्ताह भी नहीं बीता था कि हाथियों का झुंड फिर से शुक्रवार की रात को वड़ेगांव बंध्या परिसर में घुस आया और फसलों को नुकसान पहुंचा रहा है. जंगली हाथियों के इस झुंड ने फिर से अर्जुनी मोरगांव तहसील के गोठनगांव जंगल परिसर के वड़ेगांव/बंध्या परिसर में बहुत नुकसान पहुंचाया. पिछले दो दिनों से हाथियों के घूमने से इलाके में डर का माहौल है. इससे पहले 11 मार्च को 25 से 30 जंगली हाथियों के झुंड ने वड़ेगांव/बंध्या परिसर में आतंक मचाया था. जिसमें सब्जियों, मक्के की फसलों और पाइपलाइन के साथ-साथ भगवान खोला देव के पुराने मंदिर को भी नुकसान पहुंचा था. अब

हाथियों के वापस आने से किसानों पर दोहरी आर्थिक तंगी आ गई है. इस बीच, वन विभाग ने परिसर में गश्त बढ़ा दी है और ड्रोन की मदद से हाथियों की हरकतों पर नजर रखी है. वन विभाग ने लोगों से अपील की है कि वे हाथियों से दूर रहें और अगर वे दिखें तो तुरंत बताएं. इस बीच, लोगों ने मांग की है कि जंगली हाथियों से प्रभावित किसानों को हमेशा के लिए नियंत्रित किया जाए. इसके अलावा, यह भी मांग है कि प्रभावित किसानों का तुरंत पंचनामा कर मुआवजा दिया जाए.

तिरोड़ा-खैरलांजी मार्ग पर हुआ हादसा
टिप्पर-कार की हुई टक्कर

तिरोड़ा-तिरोड़ा-खैरलांजी मार्ग पर स्थित ओम हार्डवेअर के आगे टिप्पर व कार की टक्कर हो गई. जिसमें कार का काफी नुकसान हुआ है. हालांकि इस घटना में कोई जनहानी नहीं हुई है. जानकारी के अनुसार, खैरलांजी मार्ग पर स्थित ओम हार्डवेअर के आगे डा. संदीप मेश्राम की कार क्र. एमएच 35 एआर 9405 ने टिप्पर क्र. एनएल 064 एए 0618 को पीछे से टक्कर मार दी. जिसमें कार का नुकसान हुआ है. हालांकि इस घटना में कोई जनहानी नहीं हुई. घटना की जानकारी तिरोड़ा पुलिस को दी गई है.

रेत सहित ट्रैक्टर पकड़ाया

गोंदिया-सड़क अर्जुनी तहसील के सहवनक्षेत्र कार्यालय कोहमारा के अंतर्गत आने वाले वडेगांव के पास डोयेटोला-उमरझरी नाला परिसर में अवैध रेत ले जा रहे ट्रैक्टर को वन विभाग ने पकड़ा. यह कार्रवाई शुक्रवार को की गई. जानकारी के अनुसार, वनपरिक्षेत्र अधिकारी मिथुन तरोने के मार्गदर्शन में वन कर्मचारी वड़ेगांव के पास डोयेटोला कक्ष क्र. 108 के संरक्षित वन क्षेत्र में गश्त कर रहे थे, तब ड्यूटी पर मौजूद वनरक्षक प्रदीप भानुदास हत्तीमारे ने घाटबोरी निवासी ट्रैक्टर चालक मिलिंद रामलाल जिंगरे को ट्रैक्टर क्र. एमएच 35 - एजी 0615 व ट्रॉली क्र. एमएच 35 एफ 2740 में अवैध रूप से रेत ले जाते हुए पाया. इस दौरान ट्रैक्टर जब्त कर आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज किया गया.

जहर पीकर व्यक्ति ने की आत्महत्या

गोंदिया -सालेकसा थाने के तहत दरबड़ा निवासी कुवरलाल तुलाराम पटले (52) ने जहर पी लिया. उसे ग्रामीण अस्पताल सालेकसा से गोंदिया के केटीएस जिला सामान्य अस्पताल में भर्ती किया गया था. जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई. फिर्यादी डा. हर्षीत गर्ग की शिकायत पर सालेकसा पुलिस ने आकस्मिक मृत्यु का मामला दर्ज किया है. जांच हवलदार बिसेन कर रहे हैं.

ट्रक ने दोपहिया को मारी टक्कर

गोंदिया -देवरी थाने के तहत आमगांव-देवरी मार्ग पर स्थित त्रिमूर्ति नगर में ट्रक क्र. एमएच 35 - के 3764 के चालक ने अपना ट्रक लापरवाही पूर्वक चलाते हुए मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी. जिसमें सालेकसा तहसील के मुंडीपार निवासी नरेशकुमार घनश्याम नागपुरे (31) घायल हो गया. फिर्यादी की शिकायत पर देवरी पुलिस ने मामला दर्ज किया है. जांच पुलिस नायक पंधरे कर रहे हैं.

यातायात अंडर ब्रिज से संचालित होगा शहर के 4 समपार रेलवे फाटक स्थायी बंद होंगे

गोंदिया-रेलवे प्रशासन द्वारा सुरक्षा व सुगम यातायात को प्राथमिकता देते हुए तथा जिलाधीश गोंदिया की सहमति व सक्षम प्राधिकारी की स्वीकृति के पश्चात गोंदिया क्षेत्र के अंतर्गत 4 मानव संचालित समपार फाटकों को स्थायी रूप से बंद करने का निर्णय लिया गया है. इन समपार फाटकों पर लो हाइट सबवे / रोड अंडर ब्रिज का निर्माण कार्य पूर्ण कर लिया गया है. अतः 30 मार्च 2026 को सुबह 6 बजे से इन फाटकों को सभी प्रकार के सड़क यातायात के लिए स्थायी रूप से बंद कर दिया जाएगा. इनका है समावेश बंद किए जाने वाले समपार फाटकों में फाटक क्रमांक 481 (कि.मी. 948/13-15) -बोरतलाव-दरेकसा सेक्शन, समपार फाटक क्रमांक 484 (कि.मी. 957/17-19) दरेकसा-सालेकसा सेक्शन, समपार फाटक क्रमांक 504 (कि.मी. 991/11-13) - गुदमा-गोंदिया सेक्शन, समपार फाटक क्रमांक 517 (कि.मी. 1022/1-3) गंगाझरी-काचेवानी सेक्शन का समावेश है. यह सभी समपार फाटकों से गुजरने वाला सड़क यातायात अब नव-निर्मित रेलवे अंडर ब्रिज/लो हाइट सबवे के माध्यम से संचालित किया जाएगा. यह निर्णय रेल व सड़क उपयोगकर्ताओं की सुरक्षा को बढ़ाने, दुर्घटनाओं की संभावनाओं को समाप्त करने तथा यातायात को अधिक सुगम व निर्बाध बनाने के उद्देश्य से लिया गया है. रेलवे प्रशासन ने आम जनता से अपील की है कि वे निर्धारित तिथि व समय के पश्चात बंद किए गए समपार फाटकों का उपयोग न करें तथा वैकल्पिक मार्ग के रूप में अंडर ब्रिज का ही उपयोग करें.

खतरनाक पुल के कारण हो चुकी हैं कई दुर्घटनाएं
कोहमारा मार्ग चौड़ीकरण की मांग

सड़क अर्जुनी-गोंदिया जिला मुख्यालय तक पहुंचने के लिए सड़क अर्जुनी सहित आसपास के कई तहसीलों के नागरिकों को कोहमारा मार्ग से होकर गुजरना पड़ता है. लेकिन इस मार्ग की संकरी स्थिति और खतरनाक पुल के कारण दुर्घटनाओं में लगातार वृद्धि हो रही है. खासकर कोहमारा और पाटेकुर्रा के बीच कई गंभीर दुर्घटनाएं हो चुकी हैं, जिनमें कुछ लोगों की जान भी जा चुकी है, लेकिन अब तक प्रशासन तथा लोक निर्माण विभाग ने इस मार्ग के चौड़ाईकरण को लेकर कोई ठोस कदम नहीं उठाए है. संकरा पुल, टूटी रेलिंग और कम ऊंचाई के कारण इस मार्ग से आवागमन करना बेहद जोखिमभरा बन चुका है. तेज रफ्तार,

ओवरटेकिंग, सड़क किनारे पेड़ पौधे, गड्ढे और बिखरी बजरी जैसे कारणों से वाहन चालकों को असुरक्षित तरीके से वाहन चलाने पड़ते है, जो वाहन चालकों के लिए जोखिमभरा साबित हो रहा है. नागरिकों का कहना है कि, मुंबई कोलकाता राष्ट्रीय राजमार्ग क्र. 6 को जोड़ने वाला कोहमारा-गोंदिया राज्य राजमार्ग वर्तमान में बहुत संकरा है, और कोहमारा से गोरगांव के बीच का मार्ग गंभीर दुर्घटनाग्रस्त क्षेत्र बन गया है. इस सड़क को चौड़ा करने की मांग कई वर्षों से चल रही है, लेकिन अभी तक इस पर कोई गंभीर ध्यान नहीं दिया गया है. इस ओर प्रशासन को गंभीरता से ध्यान देने की मांग की जा रही है.

छत्रपति शिवाजी महाराज राजस्व अभियानः गोंदिया में बड़ी सफलता, हजारों नागरिकों को मिला सीधा लाभ

मंत्री चंद्रशेखर बावनकुळे के जनहितकारी फैसलों और विधायक विनोद अग्रवाल की मेहनत का दिखा असर

बुलंद गोंदिया। महाराष्ट्र के गोंदिया जिले में चल रहे श्री छत्रपति शिवाजी महाराज राजस्व अभियान के तहत प्रशासन ने बड़ी उपलब्धि हासिल की है, जिसमें हजारों नागरिकों को सीधे योजनाओं का लाभ मिला है। इस अभियान के अंतर्गत सबके लिए घर योजना में 4,190 पट्टों का वितरण किया गया, वहीं घरकुल लाभार्थियों को 200 लोगों के लिए 1,000 ब्रास मुफ्त रेत उपलब्ध कराई गई। इससे पहले भी 4,600 लाभार्थियों को 15,100 ब्रास और अन्य 3,500 लाभार्थियों को 9,000 ब्रास रेत वितरित की जा चुकी है, जिससे कुल 24,100 ब्रास रेत का लाभ लोगों तक पहुंचा।

अभियान के तहत 8 मंडलों में आयोजित 24 शिविरों के माध्यम से 978 प्रमाणपत्र वितरित किए गए, साथ ही सोनझारी समाज के 66 लोगों को जाति प्रमाणपत्र प्रदान किए गए। धारा 155 के अंतर्गत 120 संशोधित 7/12 दस्तावेज वितरित किए गए और 842 लाभार्थियों को भोगवटदार वर्ग-2 से वर्ग-1 में रूपांतरित किया गया।

सामाजिक योजनाओं में भी प्रगति देखने को मिली, जहां संजय गांधी और श्रावण बाल योजना के तहत 745 नए लाभार्थियों को जोड़ा गया, जबकि वर्षभर में यह संख्या 4,257 तक पहुंच गई। टुकड़ेबंदी कानून के तहत 20,859 फेरफार कायम किए गए, 58 को मंजूरी दी गई और 73 नए फेरफार दर्ज किए गए।

इसके अलावा, 10 अकृषिक प्रकरणों का निपटारा वन टाइम प्रीमियम के तहत किया गया, जबकि लोक अदालत के माध्यम से 469 मामलों का समाधान कर 7/12 में सुधार किया गया। 940 लाभार्थियों को जीवित वारस फेरफार का लाभ मिला और 654 लंबित प्रकरणों का निपटारा कर 7/12 वितरित किए गए। जनसुविधाओं के तहत 208 लोगों को राशन कार्ड संबंधित लाभ और 168 अन्य प्रमाणपत्र प्रदान किए गए। वहीं 53,390 प्रभावित किसानों को ?34,42,98,718 की सहायता राशि वितरित कर बड़ी राहत दी गई।

अभियान के दौरान सिंधी समाज के 60 लोगों को पट्टे दिए गए और स्वामित्व योजना के तहत 60 प्रॉपर्टी कार्ड वितरित किए गए। साथ ही मुख्यमंत्री बलीराजा खेत पांदन सड़क योजना के अंतर्गत 1,416 सड़कों को क्रमांक प्रदान किया गया। गोंदिया के टी.बी. टोली ग्राउंड, कुडवा में आयोजित समाधान शिविर में 48 विभागों के स्टॉल्स लगाए गए, जहां बड़ी संख्या में नागरिकों ने भाग लेकर विभिन्न योजनाओं का लाभ उठाया।

इस दौरान राजस्व मंत्री चंद्रशेखर बावनकुळे ने कहा कि यह अभियान केवल सरकारी प्रक्रिया नहीं, बल्कि आम जनता के जीवन में बदलाव लाने वाला सुशासन का नया अध्याय है। उन्होंने यह भी घोषणा की कि अगले तीन महीनों में गोंदिया में नया भूमि अभिलेख कार्यालय शुरू किया जाएगा, साथ ही 500 वर्गफुट के पट्टों को बढ़ाकर 1,500 वर्गफुट करने, प्रॉपर्टी कार्ड को मोबाइल पर उपलब्ध कराने और किसानों को धान प्रोत्साहन राशि देने की प्रक्रिया भी जारी है। कार्यक्रम में सांसद प्रफुल पटेल सहित अन्य जनप्रतिनिधियों ने भी अभियान की सराहना करते हुए कहा कि इससे आम जनता के काम तेजी से हो रहे हैं और योजनाओं का लाभ सीधे लोगों तक पहुंच रहा है।

विधायक विनोद अग्रवाल के कार्यशैली के वजह से मंत्री चंद्रशेखर बावनकुले के हस्ते सत्कार भी किया गया. विधायक विनोद अग्रवाल ने इसके लिए श्रेय गोंदिया विधानसभा की जनता को दिया.साथ ही विधायक ने गोंदिया विधानसभा की जनता के लिए अनेक मांगे मंच पर रखी जिसे तत्काल स्वीकार करते हुए मंत्री चंद्रशेखर बावनकुले ने स्वीकृति दी। विधायक विनोद अग्रवाल सदैव जनता के हित में कार्य करनेवाले विधायक है और मंत्रालय में वह हमेशा जनता के मुद्दों को लेकर मंत्रीयो से बैठक लेकर मुलाकात कर अपने क्षेत्र के लिए कामो को खीच लेकर आते है और जनता के लिए सबसे अधिक परिश्रम करते है ऐसा वक्तव्य चंद्रशेखर बावनकुले ने दिया।

मंत्री चंद्रशेखर बावनकुले ने आगे कहा कि विधायक विनोद अग्रवाल के द्वारा आयोजित और गोंदिया के प्रशासन के द्वारा यह की गई पहल महाराष्ट्र में पहली बार हो रही है पुरे महाराष्ट्र में इसके बाद ऐसी पहल की जाएगी जिसमे हजारो की संख्या में नागरिको को लाभार्थियों को लाभ दिया जायेगा और इसका आधार गोंदिया विधानसभा कहलायेगा और इसकी शुरुवात गोंदिया से हुई है ऐसी जानकारी सभी दी जाएगी. पिछले 3 महीने से लगातार इस कार्यक्रम के लिए विधायक विनोद अग्रवाल लगातार सक्रीय रहे उसी के साथ गोंदिया के जिलाधिकारी भी सक्रीय रहे और उनका पूरा प्रशासन सक्रीय रहा जनता के हित के लिए इसके लिए उनकी भी प्रशंसा मंत्री की।

पदवीधर मतदार संघ के लिये

भाजपा ने सांसद प्रफुल पटेल से भरवाया मतपत्र

बुलंद गोंदिया। महाराष्ट्र विधान मंडल के पदवीधर मतदार संघ के चुनाव भी आगामी समय में संपन्न होने हैं, जिसके लिये स्नातक मतदाताओं से मतदाता पत्र भरवाकर उनका नाम जोडने का कार्य तीव्रता से शुरु है। इसी क्रम में सांसद प्रफुल पटेल दो दिवसीय दौरा कार्यक्रम के तहत गोंदिया में थे, तब सांसद पटेल के निवास पर पहुंचकर पदवीधर मतदार संघ के भाजपा प्रत्याशी सुधाकर लीलाबाई विठ्ठलराव कोहळे, भाजपा जिला महामंत्री सुनिल केलनका एवं गोंदिया शहर भाजपा के रेलटोली मंडल अध्यक्ष ऋषीकांत साहु ने सांसद प्रफुल पटेल से मतदाता फार्म भरकर स्नातक चुनाव में मतदाता के रुप में भाग लेने का आहवान किया। भाजपा प्रत्याशी सुधारकर कोहळे, महामंत्री केलनका एवं रेलटोली मंडल शहर अध्यक्ष ऋषीकांत साहु के निवेदन को स्वीकार करते हुए सांसद प्रफुल पटेल ने ग्रेजुएट काऊंसटेंसी के लिये मतदाता फॉर्म भरा, तथा सांसद पटेल ने इस दौरान निश्चित ही पदवीधर मतदार संघ के चुनाव में मतदान करने की बात भी कही। इस अवसर पर पूर्व विधायक राजेन्द्र जैन, भंडारा डिस्ट्रीक्ट सेंट्रल कोऑपरेटिव बैंक के अध्यक्ष सुनील फुंडे भी उपस्थित थे।

रमजान ईद के पर्व पर गोंदिया शहर राष्ट्रवादी काँग्रेस व पुर्व विधायक राजेंद्र जैन ने गुलाब का फुल भेंट देकर समाज भाईयों को ईद की बधाई दीं

बुलंद गोंदिया। रमजान ईद के खुशनुमा पर्व पर सभी मुस्लिम समाज बंधू एवं नागरिको को सांसद प्रफुल पटेल ने बधाई दि। गोंदिया शहर राष्ट्रवादी काँग्रेस की ओर से सार्वजनिक बांधकाम विभाग के सामने पवित्र रमजान ईद पर बढाई कार्यक्रम का आयोजन पुर्व विधायक राजेंद्र जैन की उपस्थिती में किया गया।इस खुशनुमा अवसर पर पूर्व विधायक राजेंद्र जैन व पदाधिकारीयो ने मुस्लिम समाज भाईयो से गले मिलकर उन्हें गुलाब का फुल भेंट देकर ईद की शुभकामनाए दी।

राष्ट्रवादी काँग्रेस पार्टी ने समाजबंधुओ को लडडु वितरीत किये। समाज में आपसी भाईचारा बढाने वाली ईद के खुशनुमा अवसर पर समाज बंधुओं को शुभकामनाए देने के लिये, आयोजित कार्यक्रम में प्रमुख रूप से सर्वश्री पूर्व विधायक राजेंद्र जैन, अशोक सहारे, शहर अध्यक्ष , राजू एन जैन, आनंद ठाकूर, विनीत सहारे, लोकेश (कल्लू) यादव, राज शुक्ला, संजीव राय, नागो बन्सोड, हर्षवर्धन मेश्राम, तुषार उके, सुनील पटले, शैलेश वासनिक, रवी रामटेककर, खालिदभाई पठाण, जावेद पठाण, इमरान भाई शेख, शहजादा अली, पाशा शेख, मानू शेख, कयुम खान विनायक खैरे, विनायक शर्मा, त्रिलोक तुरकर, श्रेयश खोब्रागडे, संजीव बापट, वामन गेडाम सहित अन्य कार्यकर्ता व समाज बंधू उपस्थित थे।

श्री रामजन्मोत्सव महापर्व के पूर्व निकली भव्य

श्री राम बाइक रैली जय श्रीराम जयघोष से गूंज उठा शहर

बुलंद गोंदिया। प्रभु श्री राम जन्मोत्सव रामनवमी के पावन पर्व के रूप में मनाया जाता है। इस वर्ष गुरुवार26 मार्चको रामनवमी मनाई जाएंगी इसके पूर्व 25 मार्च बुधवार को सकल हिंदू समाज द्वारा आयोजित भव्य श्री राम बाइक रैली आयोजित की गई जिसमें बड़ी संख्या में शहर के विभिन्न हिंदू संगठनों के कार्यकर्ता व शहर व समाज के युवा, बुजुर्ग, बच्चे वह महिलाएं बड़ी संख्या में शामिल हुए। उपरोक्त रैली का आयोजन बुधवार 25मार्च की सुबह 10ः00 बजे गोंदिया शहर के रामनगर स्थित ऐतिहासिक राम मंदिर से पूजन आरती अभिषेक कर जय श्री राम, जय हनुमान के जयघोष के साथ रैली निकली जो शहर के सभी क्षेत्रों का भ्रमण किया। इस दौरान पूरा शहर जय श्रीराम के जयघोष से गूंज उठा रैली को भव्य बनाने के लिए विभिन्न वाद्य यंत्रों डीजे धार्मिक गीतों की धुनों के साथ निकली जिसका स्वागत जगह-जगह समाजसेवी संस्थाओं द्वारा पूजा अर्चना कर रैली में शामिल दुपहिया सवारों के लिए पानी शरबत छाछ कोल्ड ड्रिंक आदि का स्टाल लगाकर रामनवमी की शुभकामनाएं दी।

पेट्रोल डिजल पंपो पर उमड़ी भारी भीड़ सोशल मीडिया पर पेट्रोल खत्म होने की चल रही अफवाह

बुलंद गोंदिया। सोशल मीडिया के कुछ ग्रुप में पेट्रोल खत्म होने की अफवाह के चलते पेट्रोल डीजल पंपों पर भारी भीड़ उम्र उमड़ पड़ी है जिससे पेट्रोल भरवाने वाले वाहन चालकों की लंबी-लंबी कतारे लग गई है। गौरतलब है की मध्य पूर्व एशिया (खाड़ी देशों) में चल रहे युद्ध के कारण पेट्रोलियम पदार्थ व गैस की आपूर्ति कुछ हद तक बाधित हुई है जिसमें मुख्य रूप से कुकिंग गैस का समावेश है, लेकिन अब तक पेट्रोलियम पदार्थ पेट्रोल व डीजल में इसका असर नहीं दिखाई दिया था लेकिन 24 मार्च को कुछ सोशल मीडिया के ग्रुप में पेट्रोल नहीं मिलने वह खत्म होने की अफवाह के चलते दोपहर के बाद पेट्रोल पंपों पर वाहन चालकों की लंबी-लंबी कतारे लग गई है। जिससे बड़े पैमाने पर पेट्रोल भरवाने के लिए लोग पेट्रोल पंप की ओर दौड़ पड़े हैं। पेट्रोलियम कंपनियों ने शुरू किया एडवांस भुगतान खाड़ी युद्ध के पूर्व पेट्रोलियम कंपनी पेट्रोल पंप मालको को कुछ समय की उधारी देते थे जिससे वह निरंतर अपना कार्य कर रहे थे लेकिन खाड़ी युद्ध के चलते पेट्रोलियम कंपनियों द्वारा नगद भुगतान व एडवांस भुगतान शुरू करने के कारण कुछ पेट्रोल पंप मालक भुगतान नहीं कर पाए जिसके चलते उनके पंप में पेट्रोल खत्म हो गया किंतु उनके द्वारा भुगतान किए जाने पर पेट्रोल मिलने पर स्थित सुचारू रूप से शुरू हो रही है। अफवाह से बचे पेट्रोल व डीजल को लेकर कुछ लोगों द्वारा अफवाह है फैलाई जा रही है हालांकि वर्तमान स्थिति में पेट्रोल व डीजल की कमी नहीं है लेकिन खाड़ी युद्ध के चलते अफवाह को जोर मिलने के कारण लोग अफवाह को सच मानकर पेट्रोल पंप पर भारी भीड़ लग रहे हैं। ?100 का पेट्रोल भरवाने वाला भी ?500 का पेट्रोल भरवा रहा है जिससे पेट्रोल खत्म होने व नहीं मिलने का संकट निर्माण हो रहा है। जिले में 250 के करीब पेट्रोल पंप गोंदिया जिले में पांच कंपनियों के 250 के करीब पेट्रोल पंप है जिसमें गोंदिया शहर वह आसपास में लगभग 20 पेट्रोल पंप है इन पेट्रोल पंप में मुख्य रूप से इंडियन ऑयल, हिंदुस्तान पैट्रोलियम, रिलायंस, नायरा एनर्जी लिमिटेड, भारत पेट्रोलियम कंपनियों का समावेश है।

युद्ध बढ़ाने पर कमी हो सकती है आगामी कुछ दिनों में यदि खाड़ी में युद्ध लंबा चलता है तो कुछ हद तक पेट्रोल व डीजल की कमी हो सकती है किंतु यदि इस मामले में अफवाह पर अधिक ध्यान न देकर नियमित रूप से कार्य किया जाए तो इस समस्या से भी का भी सामना किया जा सकता है।

जिले में ईंधन की कमी नहीं अफवाह से बचें गोंदिया जिले में पेट्रोल, डीजल वह सीएनजी वह एलपीजी गैस की कमी नहीं है जिसका भरपूर स्टॉक है तथा जिला प्रशासन तेल कंपनियों से जिले में ईंधन की आपूर्ति सुचारू रखने के लिए समन्वय बना रखा है। नागरिक किसी भी प्रकार की अफवाह पर विश्वास ना करें जिले में पेट्रोल डीजल की कीमतें पूर्ववत है साथ ही व्यावसायिक गैस सिलेंडर की भी आपूर्ति जल्द ही सुचारु की जाएगी अफवाह फैलाने वालों पर एस्मा कानून के तहत कार्रवाई होगी

- प्रजीत नायर
जिलाधिकारी गोंदिया

महिला अधिकारी रिश्वत लेते धराई

एसीबी की टीम ने 10,000 रु. स्वीकारते रंगे हाथों दबोचा

गोंदिया-गोंदिया के भ्रष्टाचार विरोधी शाखा ने अर्जुनी मोरगांव तहसील में महिला ग्राम राजस्व अधिकारी को 10 हजार रु. की रिश्वत लेते हुए रंगेहाथों पकड़ा. आरोपी राजस्व अधिकारी का नाम गायत्री बोरकर (41) बताया गया है. इस कार्रवाई से राजस्व विभाग में हडकंप मच गया है. एसीबी विभाग की दी गई जानकारी के अनुसार, शिकायतकर्ता का ईंट भट्टे का व्यवसाय है और मिट्टी खुदाई के मामले में कार्रवाई से बचने के लिए आरोपी ग्राम राजस्व अधिकारी गायत्री बोरकर ने उससे 37,000 रु. की रिश्वत मांगी थी. इसमें से उसने 12 मार्च को पहले ही 10,000 रु. ले लिए थे, जबकि बाकी रकम देने के लिए उस पर दबाव बनाया जा रहा था. शिकायतकर्ता को बाकी की राशि देने की इच्छा नहीं थी. इसलिए उसने एसीबी विभाग, गोंदिया में शिकायत दर्ज कराई. जिसके अनुसार, टीम ने 23 मार्च को अर्जुनी मोरगांव में जाल बिछाया. कार्रवाई के दौरान, जैसे ही आरोपी ने 10,000 रु. की रिश्वत ली, टीम ने उसे रंगे हाथों पकड़ लिया. आरोपी की जांच के दौरान रिश्वत की रकम जब्त कर ली गई और उसका मोबाइल फोन भी जब्त कर लिया गया. आरोपी महिला के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है. महिला आरोपी होने के कारण सर्वोच्च न्यायालय के निर्देश पर 24 मार्च को उसे अर्जुनी मोरगांव थाने में उपस्थित रहने का सूचना पत्र दिया गया. यह कार्रवाई एसीबी पुलिस निरीक्षक उमाकांत उगले, अरविंद राऊत, सहायक फौजदार चंद्रकांत करपे, हवलदार संजय बोहरे, मंगेश काहालकर, पुलिस नायक रोहिणी डांगे, दीपक बाटबर्वे ने की

पार्षद असाटी ने नगराध्यक्ष फुंडे को सौंपा मांगों का ज्ञापन

सालेकसा नपं में कामकाज ठप

सालेकसा-हाल ही में हुए नगर पंचायत चुनाव के बाद भी शहर में विकास के काम की रफ्तार पूरी तरह से रुकी हुई है. चुनाव के 4 महीने बाद भी जनप्रतिनिधियों की तरफ से कोई पक्का काम शुरू न होने से लोग नाराज हैं. इस संबंध में पार्षद तथा युवती सेना जिला प्रमुख योगिता असाटी ने नगराध्यक्ष विजय फुंडे से मुलाकात कर विविध लंबित मामलों का ज्ञापन सौंपा. इस दौरान शहर की मुलभूत समस्या, रुके हुए विकास काम व प्रशासन की उदासिनता को बताया व तुरंत कार्रवाई करने की मांग की. ज्ञापन में बताया कि जनता दरबार आयोजित कर नागरिकों की समस्या सुनी जाए व तत्काल निर्णय लिया जाए. यह भी गंभीर आरोप लगाए गए कि शहर में सड़क, जलापूर्ति, सफाई व अन्य नागरिक सुविधाओं जैसे मुलभुत मुद्दों को नजरअंदाज किया जा रहा है. योगिता असाटी ने चेतावनी दी कि, अगर प्रशासन लोगों की समस्याओं को हल करने में नाकाम रहता है, तो शिवसेना और युवती सेना सड़कों पर उतरकर आंदोलन करेंगी. इस बीच, नगराध्यक्ष फुंडे ने ज्ञापन स्वीकार किया और जल्द से जल्द जरूरी कार्रवाई करने का आश्वासन दिया. लेकिन, सालेकसा के लोगों का ध्यान अब इस बात पर है कि काम सच में शुरू होगा या सब कुछ सिर्फ वादों पर ही रुक जाएगा. नए जनप्रतिनिधियों से जहां काफी उम्मीदें हैं, वहीं काम शुरू में ही रुक गया है, जिससे प्रशासन के काम करने के तरीके पर सवाल उठ रहे हैं. शहर में इस समय चर्चा है कि नागरिकों का सब्र खत्म होने से पहले प्रशासन को जागने की जरूरत है.

एक-एक बूंद से बना संवेदनशीलता का सागर

विश्व जल दिवस के अवसर पर अभिनव पहल

तिरोड़ा-विश्व जल दिवस के अवसर पर तिरोड़ा स्थित मेरिटोरियस पब्लिक स्कूल के छात्रों ने दिल को छू लेने वाली और समाज को दिशा देने वाली एक अनूठी पहल को साकार किया. स्कूल से घर जाते समय पानी की बोतल में बचा हुआ पानी लापरवाही से बाहर फेंकने के बजाय, छात्रों ने उसे प्रेम और जिम्मेदारी के साथ स्कूल में रखे गए जल-संचय पात्र में एकत्र किया. छात्रों द्वारा एकत्र की गई हर एक बूंद में पर्यावरण के प्रति जागरूकता की भावना झलकती दिखाई दी. जल-संचय पात्र में संचित पानी को स्कूल परिसर के पेड़ों को अर्पित करते समय छात्रों के चेहरों पर संतोष और आनंद स्पष्ट नजर आ रहा था. मानो उन पेड़ों को भी बच्चों की संवेदनशीलता का सहारा मिल गया हो. इस पहल के माध्यम से यह संदेश मजबूती से सामने आया कि छोटी-छोटी कोशिशें मिलकर बड़ा परिवर्तन ला सकती हैं. पानी केवल आवश्यकता नहीं, बल्कि जीवन की सांसों की डोर है. यह भाव छात्रों के मन में गहराई से बैठाने में स्कूल ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई. यह पहल केवल स्कूल तक सीमित न रहकर समाज को भी सोचने पर मजबूर करने वाली साबित हुई.

स्वामित्व, मुद्रक, प्रकाशक व संपादक नवीन माणिकचंद अग्रवाल द्वारा बुलंद गोंदिया साप्ताहिक समाचार पत्र भवानी प्रिंटींग प्रेस, गुरुनानक वार्ड, गोंदिया ता.जि.गोंदिया से मुद्रित व बुलंद गोंदिया भवन, जगन्नाथ मंदिर के पास गौशाला वार्ड, गोंदिया-४४१६०१, ता.जि.गोंदिया से प्रकाशित । संपादक नवीन माणिकचंद अग्रवाल, मो.क्र.९४०५२४४६६८। (पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिये जिम्मेदार) प्रकाशित किये गये समाचार व लेख से संपादक सहमत है। न्यायालय क्षेत्र गोंदिया ।